एम.एच.डी.

एम.ए. हिंदी कार्यक्रम

एम.ए. हिंदी प्रथम वर्ष के सत्रीय कार्य
(जुलाई 2018 और जनवरी 2019 सत्रों के लिए)

एम.एच.डी.-2 : आधुनिक हिंदी काव्य
एम.एच.डी.-3 : उपन्यास एवं कहानी
एम.एच.डी.-4 : नाटक और अन्य गद्य विधाएँ
एम.एच.डी.-6 : हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास

मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110 068

एम.ए. हिंदी कार्यक्रम (प्रथम वर्ष)

सत्रीय कार्य 2018-19

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी.

प्रिय छात्र/छात्राओ,

यह एम.ए. हिंदी प्रथम वर्ष के सत्रीय कार्यों की पुस्तिका है। इसमें एम.एच.डी.-02, 03, 04 और 06 पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य हैं। ये 8–8 क्रेडिट के पाठ्यक्रम हैं और आपको हर पाठ्यक्रम में एक-एक सत्रीय कार्य करना होगा। प्रत्येक सत्रीय कार्य 100 अंकों का है। प्रत्येक सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएंगे।

एम.ए. कार्यक्रम में अध्ययन के लिए आपको कई खंडों में पाठ्य सामग्री भेजी गई है। साथ ही पाठ्यक्रमों में अतिरिक्त अध्ययन के लिए 'विवेचना' नाम से आलोचनात्मक लेखों के संग्रह भेजे गए हैं। पाठ्यक्रम 2, 3 तथा 4 में 'विविधा' नाम से मूल साहित्यिक कृतियों का संकलन किया गया है। पाठ्यक्रमों में शामिल नाटक और उपन्यासों को प्राप्त करने की व्यवस्था आपको स्वयं करनी होगी। आपसे अपेक्षा की जाती है कि सत्रीय कार्य करने से पहले इन सभी कृतियों को पढ़ लें।

एम.ए. स्तर पर परीक्षा में पूछ जाने वाले सवाल केवल पाठ्य पुस्तकों तक सीमित नहीं होते। अतः छात्रों से यह भी अपेक्षा की जाती है कि वे उपलब्ध कराई गई सामग्री के अतिरिक्त पुस्तकालयों से अन्य पुस्तकों और पत्रिकाओं का भी अध्ययन करें, जिससे ज्ञान में वृद्धि हो।

उद्देश्य : सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्यक्रम से संबंधित सामग्री को कितना पढ़ा-समझा है और उसका विवेचन-विश्लेषण और मूल्यांकन करने की क्षमता कितनी अर्जित की है। सत्रीय कायों का उद्देश्य यह भी ह कि पाठ्य सामग्री के अध्ययन के पश्चात् आप उसके संबंध में स्वयं अपना दृष्टिकोण विकसित कर सकें और उन्हें अपने शब्दों में लिख सकें। इसका तात्पर्य यह है कि विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री को आप पुनर्प्रस्तुत न करें। बल्कि पूछे गए प्रश्नों का उत्तर सोच-विचारकर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर में आपको अध्ययन, आलोचनात्मक दृष्टि रचनाओं के बारे में आपकी अपनी समझ और भाषा पर आपका अधिकार व्यक्त होना चाहिए। आपके सत्रीय कार्य का मूल्यांकन करते हुए परीक्षक इन सभी बातों को ध्यान में रखंगे।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1. एम.ए. हिंदी के पाठ्यक्रमों के लिए कार्यक्रम दर्शिका में दिए हुए निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए।
2. अपनी उत्तर-पुस्तिका के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अपना अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।
3. अपनी उत्तर-पुस्तिकाओं की बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य कोड और उस अध्ययन केंद्र का नाम/कोड लिखिए, जिससे आप संबद्ध हैं।

उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से शुरू होगा :

अनुक्रमांक :.....

नाम : .....

पता : .....

पाठ्यक्रम शीर्षक :.....

सत्रीय कार्य कोड :.....

अध्ययन केंद्र का नाम/कोड : ..... दिनांकः .....

---

4. उत्तर के लिए केवल फुलस्केप के आकार के कागज का इस्तेमाल करें और उन कागजों को अच्छी तरह से बाँध लं।
5. प्रत्येक उत्तर से पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें और अपनी लिखावट में उत्तर दें।
6 सत्रीय कार्य की उत्तर-पुस्तिका जाँच के लिए अपने अध्ययन केंद्र के समन्वयक (coordinator) के पास जमा कराएं। जुलाई, 2018 सत्र में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी अपना सत्रीय कायं 31 मार्च 2019 तक और जनवरी, 2019 सत्र में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी अपना सत्रीय कार्य 30 सितम्बर, 2019 तक अवश्य जमा करा दें।

प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन करें:

1. प्रश्नों में जो पूछा गया है, उसको अच्छी तरह समझ कर उत्तर लिखें। जा नहीं पूछा गया है, उसे न लिखें। जितना पूछा गया है, उतना ही लिखें।
2. व्याख्या से संबंधित काव्यांशों में, संदर्भ, प्रसंग, व्याख्या और भाषा शैली या अन्य किसी विशेष बात का उल्लेख करें। इन सभी पहलुओं के लिए अंक निर्धारित होते हैं।
3. आपका उत्तर सुसंगत, सुबोधगम्य और स्पष्ट हो।
4. वाक्यों और अनुच्छेदों के बीच क्रमबद्धता हो।
5. आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से वर्तनी और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।
6. उत्तर साफ और सुंदर अक्षरों में लिखें तथा जिन बातों पर बल देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दें।
7. अपने पास सत्रीय कार्य के उत्तर की प्रति अवश्य रखें।

शुभकामनाओं सहित!

नोटः याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है। अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

एम.एच.डी-2 : आधुनिक हिंदी काव्य
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी.-2
सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.डी–2/टी.एम.ए/2018–19
कुल अंक : 100

1. निम्नलिखित प्रत्येक काव्यांश की लगभग 200 शब्दों में सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **12X3=36**

क) ''हे तात, तालसम्पुटक तनिक ले लेना
बहनों को वन – उपहार मुझे है देना।''
''जो आज्ञा'', – लक्ष्मण गये तुरन्त कुटी में
ज्यों घुसे सूर्य–कर–निकर सरोज–पुटी में।
जाकर परन्तु जो वहाँ उन्होंने देखा,
तो दीख पड़ी कोणस्थ ऊर्मिला – रेखा।
यह काया है या भोश उसी की छाया
क्षण भर उनकी कुछ नहीं समझ में आया।
''मेरे उपवन के हरिण, आज वनचारी
मैं बाँध न लूँगी तुम्हें, तजो भय भारी।
गिर पड़े दौड़ सौमित्रि प्रिया–पद–तरा में,
वह भींग उठी प्रिय–चरण धरे दृग–जल में।

ख) हरी बिछली घास।
दोलती कलगी छरहरी बाजरे की।

अगर मैं तुम को ललाती साँझ के नभ की अकेली तारिका
अब नहीं कहता,
या भारद के भोर की नीहार–न्हायी कुँई,
टटकी कली चम्पे की, वगैरह, तो
नहीं कारण कि मेरा हृदय उथला या सूना है
या कि मेरा प्यार मैला है।

बल्कि केवल यही : ये उपमान मैले हो गये हैं।
देवता इन प्रतीकों के कर गये हैं कूच।

ग) निकल गली से तब हत्यारा
आया उसने नाम पुकारा
हाथ तौलकर चाकू मारा
छूटा लोहू का फ़व्वारा
कहा नहीं था उसने आखिर उसकी हत्या होगी

भीड़ ठेलकर लौट गया वह
मरा पड़ा है रामदास यह
देखो देखो बार-बार कह
लोग निडर उस जगह खड़े रह
लगे बुलाने उन्हें जिन्हें संशय था हत्या होगो

2. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 800 शब्दों में दीजिए : **16X4=64**

(क) भारतेंदु की कविताओं में मौजूद राजभक्ति और देशभक्ति के द्वंद्व पर प्रकाश डालिए।

(ख) सुमित्रानंदन पंत की छायावादी कविताओं की प्रमुख विशेषताएँ बताइए।

(ग) 'आत्महत्या के विरुद्ध' कविता का विश्लेषण कीजिए।

(घ) शमशेर की काव्य संवेदना की प्रमुख विशषताएँ बताइए।

एम.एच.डी.–03 : उपन्यास एवं कहानी

सत्रीय कार्य

(सभी खंडों पर आधारित)

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी.–3
सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.डी.–3/टी.एम.ए./2018–2019
कुल अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 15 x 4 = 60

1. किसान जीवन के परिप्रेक्ष्य में 'गोदान' का मूल्यांकन कीजिए ।

2. 'धरती धन न अपना' उपन्यास दलित जीवन पर केन्द्रित होने के साथ–साथ अंचल विशष की गंध व छाप भी लिए हुए है– इस कथन की समीक्षा कीजिए।

3. 'मैला आँचल' उपन्यास के भाषिक शिल्प पर प्रकाश डालिए।

4. 'बाणभट्ट की आत्मकथा' उपन्यास में अभिव्यक्त प्रेम संबंधी दृष्टिकोण को रेखांकित कीजिए।

5. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए : 10 x 4 = 40

   (क) नई कहानी

   (ख) यशपाल की कहानियों में मध्यवर्ग

   (ग) 'त्रिशुंक' कहानी में पीढ़ीगत द्वन्द्व

   (घ) 'चीफ की दावत' कहानी में मध्यवर्गीय अवसरवादिता

एम.एच.डी.– 4 : नाटक और अन्य गद्य विधाएँ
सत्रीय कार्य
(पूरे पाठ्यक्रम के सभी खण्डों पर आधारित**)**

पाठ्यक्रम कोडः एमएचडी–4
सत्रीय कार्य कोडः एमएचडी–4/टीएमए/2018–19
कुल अंकः 100

1. निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिएः 10 **x** 4 = 40

क) कविता करना अनंत पुण्य का फल है। इस दुराशा और अनंत उत्कंठा से कवि–जीवन व्यतीत करने की इच्छा हुई। संसार के समस्त अभावों को असंतोष कहकर हृदय को धोखा देता रहा। परंतु कैसी विडंबना! लक्ष्मी के लालों का भ्रू–भंग और क्षोभ की ज्वाला के अतिरिक्त मिला क्या! एक काल्पनिक प्रशंसनीय जीवन, जो दूसरों की दया में अपना अस्तित्व रखता है! संचित हृदय कोष के अमूल्य रत्नों की उदारता और दारिद्रय का व्यंग्यात्मक कठोर अट्टहास, दोनों की विषमता की कौन–सी व्यवस्था होगी।

ख) ''हम खुद नियम और मनुष्य को कायल कर देते हैं और अमारे अंदर के अंधकार से शक्ति फूट पड़ती है।'' यहाँ अंधकार से तात्पर्य अवचेतन से शक्ति का फूटना या निराशा से आशा का संचार होना है। सब कुछ हमारी भीतरी शक्ति से ही प्रतिपादित होता है। आगे हमारे अंतःकरण को अंधाधुंध भी कहा गया है।

ग) मैं यहाँ थी, तो मुझे कई बार लगता था कि मैं एक घर में नहीं, चिड़ियाघर के एक पिंजरे में रहती हूँ जहाँ.... आप शायद सोच भी नहीं सकते कि क्या–क्या होता रहा है यहाँ। डैडी का चीखते हुए ममा के कपड़े तार–तार कर देना... उनके मुँह पर पट्टी बाँधकर उन्हें बंद कमरे में पीटना...खींचते हुए गुसलखाने में कमोड पर ले जाकर.... सिहरकर मैं तो बयान भी नहीं कर सकती कि कितने–कितने भयानक दृश्य देखे हैं इस घर में मैंने। कोई भी बाहर का आदमी उस सबको देखता–जानता, तो यही कहता कि क्यों नहीं बहुत पहले ही ये लोग...?

घ) धर्म, नीति, मर्यादा, यह सब हैं केवल आडम्बर मात्र,
मैने यह बार–बार देखा था।
निर्णय के क्षण में विवके और मर्यादा
व्यर्थ सिद्ध होते आये हैं सदा
हम सब के मन में कहीं एक अंध गहवर है।
बर्बर पशु, अंधा पशु वास वहीं करता है,
स्वामी जी हमारे विवके का,
नैतिकता, मर्यादा, अनासक्ति, कृष्णार्पण
यह सब है अंधी प्रवृत्तियों की पौशाकें
जिनमें कटे कपड़ों की आँखें सिली रहती है।
मुझको इस झूठे आडम्बर से नफरत थी
इसलिए स्वेच्छा से मैंने इन आँखों पर पट्टी चढ़ा रक्खी थी

2. प्रसाद के नाटक की मौलिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 10

3. भाषा और शैली की दृष्टि से धोखा का सोदाहरण विवेचन कीजिए। 10

4. ललित निबंध की दृष्टि से कुटज की विशेषताओं की विवेचन कीजिए। 10

5. ठकुरी बाबा की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 10

6. निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिएः– 5 X 4 = 20
(क) वर्णनात्मक निबंध
(ख) निबंधकार हजारी प्रसाद द्विवेदी
(ग) 'बसंत का अग्रदूत' की विशिष्टता
(घ) 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' का संरचना शिल्प

एम.एच.डी.-6 : हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास
सत्रीय कार्य
(खंड 1 से 8 पर आधारित)

सत्रीय कार्य कोडः एम.एच.डी–6/टीएमए/2018–2019
कुल अंक : 100

1. सूफ़ी प्रेमाख्यानक काव्य परंपरा का परिचय दीजिए। 12
2. छायावाद की प्रमुख प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए। 12
3. समकालीन कविता के शिल्प पक्ष का सोदाहरण विश्लेषण कीजिए । 12
4. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी आलोचना पर निबंध लिखिए। 12
5. हिंदी के संदर्भ में राजभाषा और राष्ट्रभाषा की संकल्पना स्पष्ट कोजिए। 12
6. निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणी लिखिए : 8 X 5 = 40
   क) छायावाद और रहस्यवाद
   ख) संस्कृत साहित्य
   ग) हिंदी में प्रगतिशील काव्य परंपरा
   घ) रीतिकालीन शृंगारेतर काव्य
   ङ) द्विवेदी युगीन कविता